

# यूपी में हरे पत्ते खाने पर भैंस हो गई 'गिरफ्तार'

● मथुरा नानि का गजब कारनामा ● गैस के मालिक लाखन के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा



मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मथुरा नगर निगम का गजब कारनामा समये आया है। मथुरा में हरे पत्ते खाने की दोषी भैंस को निगम ने हिरासत में ले लिया है। साथ ही भैंस के मालिक पर केस दर्ज करा दिया है। अब भैंस का मालिक उसे छुड़ाने के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है। इस घटना के बाद मथुरा जिले की खूब चर्चा हो रही है। लोग कह रहे हैं कि इसे ऐसे ही तीन लाक से ज़्यादा नगरी यू. ही नहीं कहा जाता। मामला वृद्धावन के संरक्षित कुंभ मेला क्षेत्र का समाने आया है। जहां ही पेंडों के पासे पर्यावरण की नगरी प्रशासन ने अपनी कास्टडी में रखा है। इतना ही नहीं भैंसों के मालिक के खिलाफ भी विविध धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। अब किसान अपनी भैंसों को छुड़ाने के लिए अधिकारियों के चक्कर काटने पर मजबूर हैं। कुंभ मेला क्षेत्र में प्रशासन ने पोषणरपण कराया था।

## यूपी के कुशीनगर में जाली नोटों की तस्करी का पर्दाफाश

● सपा नेता समेत 10 लोग गिरफ्तार, 4 लोग अभी भी फरार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में जाली नोटों का गोपनीय करने वाले एक अंतर्राष्ट्रीय गिरफ्तार का पर्दाफाश किया गया है। इस मिरोर के 10 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसमें सपा जाली नोटों की लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव रक्षी खान उर्फ बबलू गैंग भी गिरफ्तार किया है। इसे पूर्व गैंग का मास्टरबांड बवाला जा रहा है। इकंके पास से 5.62 लाख रुपये के जाली नोट, अंतर्राष्ट्रीय तांबे और कारबूस भी बराबर हुए हैं। एकी खान का नेपल-यूपी-बिहार व सीमावर्ती लालकों में जाली नोट का गोपनीय करने वाले का नेटवर्क था। पुलिस ने इस गिरोह के 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान शेष जमालुद्दीन, नियाजउद्दीन उर्फ मुत्ता, रेहन खान उर्फ सदताम, औरंगजेब, मोहम्मद रफी, नैशद खान, परवेज इलाही उर्फ अकरार अफरीदी, मोहम्मद रफीक उर्फ अब्दुल खान, हाशिम खान और सिरज हाशमी की रूप में की गई है। इस मामले में 4 अरोपी अभी फरार चल रहे हैं। इनकी पहचान बिहार के सिवान की है।

## वीर रस के कवियों को दिनकर से सीखना चाहिए ओजस्विता का स्वर : अनुपम प्रियदर्शी

नईदिल्ली बोर्डर (राजीव जायसवाल)



दिल्ली विश्वविद्यालय के नाथ कैम्पस रिस्यूल हंसराज कॉलेज में राष्ट्रविभागीय गोपनीय विद्यार्थी विद्यार्थी को जाली नोटों की वापसी के सुसिद्ध करि व रायपत्र के प्राच्याकार अनुपम प्रियदर्शी मुख्य वकाल के तौर पर उपस्थित हुए तथा उन्होंने अपने डेंडर एंटर के बैकल के दैरेन दिनकर के काव्य पर बैठेंगे और रोक चर्चा की। दीप प्रज्ञलक्ष्मि के उपरांत कार्यक्रम का सुधारांभ हिन्दी विभाग के प्राच्याकार डॉ. रवि कुमार गोडे के स्वामान भण्ण से हुआ जिसके बाद मंच पर मुख्य वकाल अनुपम प्रियदर्शी को अविभृत किया गया। रायपत्र कॉलेज के प्राच्याकार व हंसराज कॉलेज के ही पूर्व छात्र श्री अनुपम ने अपने संबोधन का प्रारंभ दिया विभाग के सभी विद्यार्थीकों की अपीली कृतज्ञता जातारे हुए किया। उन्होंने अपनी अनोखी शैली में विज्ञान और साहित्य के बीच संबंधों का व्याकरण समझायी। अपने व्याकरण के दैरेन उन्होंने दिनकर की अपेक्षा वाक्य वेना के कई उद्दण्ड दिए और बताया कि आज के बाबत के विद्यार्थीकों के विद्यार्थीकों के दिनकर को अवश्य पहुंचना चाहिए ताकि वे समझ सकें कि ओजस्विता युद्धोन्मात्रा से पैर एक बेदर सालिक भाव रखें। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर सुधारांभ कुमार शुक्रल ने की तथा उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि विद्यार्थीकों का विशद वर्णन भी किया। अपने संबोधन के दैरेन



कि आज अनुपम को सुनते समय उनकी वाकपटुा और स्मृति देखकर उन्हें अपने कॉलेज के दिनों के गूह प्रौद्योगिकी पालीवाल की बाद आपी जो अपनी विलक्षण स्मृति के लिए बहुचाल थी। कार्यक्रम के दूसरे सब में विवाहितों को सूची अतिथि अनुपम प्रियदर्शी द्वारा पुरस्कार तर व प्रशिरित पत्र देकर समाप्ति भी किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेज से बड़ी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की विशद वर्णन भी किया गया।

## हिंदुओं पर बांग्लादेश में 'अत्याचार' ! देश में बवाल

● कानपुर टेस्ट मैच का कड़ा विदेश, 20 लोगों पर एफआईआर ● कानपुर में टेस्ट और गवालियर में होना है टी-20 का मुकाबला



कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के भारत दौरे का अलग-अलग हिस्सों में यात्रा करने वाले यात्री ने कैपांसी और गोला भरोसा कर रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि हमें पर्याप्त पुलिस बल मिल जाएगा। यीन पाकिस्तानी मैट्टियम और हॉटल लैंड मार्क को सेक्यूरिटी और हांटर, जॉन और सब-जॉन में विभाजित किया गया है और इसका नियंत्रण क्रमशः डीसीपी, पैकीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों को दिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कड़ी अवृद्धि ने टी-20 मैच में चेतावनी करोगा जब जारी करने वाले यात्री ने जारी नहीं किया गया। साथ ही चेतावनी दी गई है कि शाति भंग करने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति से सख्ती से निपटा जाएगा। सोशल मीडियम पर दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेज ने एक उद्घाटन कर रहा है जिसमें बांग्लादेश का कानपुर और गवालियर के दूसरे दिन विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों पर हो रहे हैं। बांग्लादेश में दिल्ली के बाद यह विद्यार्थी विभाग की प्रभारी प्रोफेसर नीतू शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन से किया।

## तिरुपति के लड्डुओं पर कायम है भक्तों का भरोसा

### चर्वीविवाद के बाद भी पहले जैसे ही चल रही सेल



है कि इस मंदिर में हर रोज 3 लाख लड्डू बनाए जाते हैं। यह पहुंचने वाले अद्वालु इन्हें जमकर खरीद भी

रहे हैं। कई बार यह लोग इसे लेकर अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के दोस्तों के लिए भी ले जाते हैं। अगर तिरुपति लड्डुओं की इन्वेंटरीपॉल्यूट्स की बात करें तो इसमें चाना, गाय का थीं, चीनी, काजू, किशमिश और बादाम डाला जाता है।

हर रोज करीब 15000 किलो भी लड्डुओं को तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। गैरिक जेल से लौटे वाक्यरत्न ने इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के मुख्य अतिथि अनुपम प्रियदर्शी द्वारा पुरस्कार तर व प्रशिरित पत्र देकर समाप्ति भी किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की विशद वर्णन हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर सुधारांभ कुमार शुक्रल ने की तथा उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि विशद वर्णन भी किया गया।

## जम्मू-कश्मीर में सेकेंड फेज की 26 सीटों पर आज वोटिंग

● अमर अब्दुल्ला 2 सीटों से चुनाव लड़ रहे, पहले फेज में 61 फीसदी मतदान हुआ था



श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के मूलविकास के दूसरे चरण में कल बुधवार को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 25.78 करोड़पति और 49 पर्यावरणी के लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे। क्रिमिनल सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल क्षमीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग

के मूलविकास के दूसरे चरण में कल बुधवार को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों में सबसे ज्यादा 8 सीटों पर वोटिंग हो रही है। श्रीनगर की सबसे ज्यादा 8.20 पर्यावरणी और पुलवामा में सबसे कम 46.99 पर्यावरणी वोटिंग हुई। श्रीनगर की सबसे ज्यादा 8 सीटों पर वोटिंग, पीडीपी ने सभी सीटों पर केंडीडेट्स ज्यादा दोसरे फेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38 पर्यावरणी मतदान हुआ। किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.20 पर्यावरणी और पुलवामा में सबसे कम 46.99 पर्यावरणी वोटिंग हुई। श्रीनगर की केंडीडेट्स ज्यादा 8 सीटों पर वोटिंग, पीडीपी ने सभी सीटों पर केंडीडेट्स ज्यादा दोसरे फेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38 पर्यावरणी मतदान हुआ। किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.20 पर्यावरणी और पुलवामा में सब





## सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809

9801344665

## आशा फैसिलिटेटर घर-घर जाकर कर रही है कुष्ठ रोगियों की खोज

बीएनएम। मोतिहारी

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शहर स्थित सदर प्रबंधन के रामगढ़ा पंचायत क्षेत्र में कुष्ठ रोगियों की खोज के लिए अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान में आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की टीम के साथ आशा फैसिलिटेटर बित्ता देवी घर-घर जाकर लोगों से मिलते हुए कुष्ठ के लक्षण के बारे जानकारी देते हुए लोगों से शारीरिक स्थिति की जानकारी ले रही है। फैसिलिटेटर बित्ता देवी ने बताया की स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार घर-घर जाकर लोगों को बताती हैं की शरीर के किसी भी हिस्से में अगर कोई सुखन दाग धब्बा हो, जिसका रंग चाढ़ी के रंग से हल्का हो तो वह कुष्ठ हो सकता है। इसका समय से पहलान होने पर सरकारी अस्पताल में इसका निःशुल्क इलाज संभव है। वहीं लोगों को बताया जाता है की अगर इसके लक्षण हो तो छुपाए नहीं इलाज में देरी होने पर यह दिव्यांगता का कारक बन जाती है। लोगों को इस कटावयक बीमारी से बचाव को आगामी 02 अक्टूबर

- कुष्ठ रोग का इलाज है संभव - एसीएमओ
- चमड़ी पर दाग और सुन्नापन जैसे लक्षणों का लगाती है पता
- कुष्ठ रोग के दंश को जड़ से सफाया करने का है उनका लक्ष्य
- सदर अस्पताल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कुष्ठ रोगियों का होता है इलाज



तक कुष्ठ रोगियों की खोज अभियान चलाई जा रही है ताकि कुष्ठ रोग का जड़ से सफाया हो सके। वहीं जांच में कुष्ठ की पुष्टि होने के बाद रोगियों की पहचान गोपनीय रखी जाती है। कुष्ठ रोग से ग्रस्त व्यक्ति यदि किसी के साथ लंबे समय तक रहता है और वह दूसरी बार आदि इस्टमल करता है, तो इससे रोग फैलने का खतरा रहता है। मजदूर, श्रमिक वर्ग में इस तरह की रोग के फैलने की संभावना ज्यादा रहती है।

• सदर अस्पताल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कुष्ठ रोगियों का होता है इलाज -जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह सदर पीएचसी प्रभारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने बताया की सफलता को लेकर अभियान की सफलता दिया गया है कि घर-घर जाकर लोगों

को कुष्ठ के बारे में जागरूक करते हुए रोगियों की खोज करें। उन्होंने बताया कि सधैन कुष्ठ रोगी खोज अभियान को लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति ने गाइडलाइंस जारी की है। उन्होंने बताया की कुष्ठ रोग का इलाज संभव है। इसके लिए एम्बुलेटी की टैब्लेट ली जाती है। रोगियों की नियमित दवा सेवन की जरूरत दी जाती है।

## कुष्ठ रोग के शुरुआती लक्षण:

- शरीर का कोई भी हिस्सा सुख होना
- स्पर्श महसूस न होना
- सूख़ या पिन चुभने जैसा महसूस होना
- बजन कम होना
- शरीर पर पोड़े या लाल व सफेद चक्के बनना, जोड़ में दर्द होना
- बाल झड़ना, त्वचा पर पीले रंग के छाव या धब्बे बनना आदि।

जिले भर में झूबने से आधे दर्जन लोगों की मौत लखौरा में दो सगी बहन सहित तीन लड़कियों की झूबने से मौत



बीएनएम। मोतिहारी

बेटी रंजू कुमारी 15 वर्ष के मंजू कुमारी 13 वर्ष शामिल हैं। गांव की महिलाएं जितिया के नहाय - खाय को लेकर सरेंट के तालाब में नहाने आये दर्जन लोगों की मौत हो गई है। जिसमें महिलाएं व बच्चे शमिल हैं। लखौरा थाने के लक्ष्मीपुर गांव में सरेंट के तालाब में झूबने से मौत हो गई है। मंगलवार दोहरा तक जिले जबकि तीन नहीं बचाई जा सकी और भर में झूबने से मूत उत्तर सभी के शब्द को सम्बन्धित थाने की पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया जारी किया गया। वही इस दौरान सूखबूझ से 4 महिलाएं बच गईं, अन्यथा वहाँ 6 महिलाएं झूब जाती। मृतकों में परमानन्द बैठा बनाने के लिए भेज दिया गया। वही कल्याणपुर के गिरियां कुमारी शिवरंजन राम की दो बेटियाँ खोला में मुकेश दास के 8 साल

## संक्षिप्त समाचार

## आयुष्मान भारत योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सुगौली सीएचसी को मिला सम्मान

बीएनएम। मोतिहारी। आयुष्मान भारत योजना के तहत सुगौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बनाये गये तीन हजार स्वास्थ्य कार्ड से बीमारों का इलाज हो रहा है। सीएचसी के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पटना में अयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में जिले के सुगौली सीएचसी को सम्मानित किया गया। आयुष्मान दिवस की पूर्व संचया पर पटना में आयोजित कार्यक्रम वार्षिकत्व एवं मुख्यमंत्री जन असरों योजना के शाखारंग के अवधार पर सुधे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाठेड़े के द्वारा सुगौली सीएचसी प्रभारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने आरोग्य एवं योजना मुख्यमंत्री जन असरों की अंतर्भूत आयुष्मान कार्ड बनाने और बीमारों का लापान्वित करने जैसे सीएचसी के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया। आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में योग्य उत्कृष्ट हासिल कर ली। बताया गया कि आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में योग्य उत्कृष्ट हासिल करने के लिए दिया गया। आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में सीएचसी योजना के शुरुआती दिनों से ही अगे रहा और मात्र बनाने के जिलों में पूरी चारपाई का उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया।

## मोतिहारी पुलिस के विशेष अभियान में 110 गिरफ्तार, 89 भेजे गए जेल

बीएनएम। मोतिहारी। एसपी स्पष्ट प्रभार के निर्देश पर जिले के विशेष थाना क्षेत्रों में बीते 24 घंटे के दौरान चलाये गये विशेष अभियान में 110 अपरिहितों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 89 लोगों को जेल भेज दिया गया।

जिला पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार अपरिहितों में चोरी कार्ड में 04, शराब तस्करी में 18, शराब कासे सेवन करने में 21, दूधल आंटी 50 व अन्य विविध मामलों के 05 लोग शामिल हैं। इस दौरान पुलिस ने 527.1 लीटर अवैध देशी व 3.5 लीटर विदेशी शराब के साथ एक दीज कट्टा, 01 कारातुस, 12 मीटरसाइकिल, 01 मोबाइल फोन व 36 लीटर डीजल भी बरामद हुआ है।

## नहर में तैरता मिला चार वर्षीय बच्चे का शव

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के रक्षाल थाना क्षेत्र में गम्भीरया नहर में झूने से एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बताया गया कि मंगलवार को जिलिया पर्व के लेकर कुछ महिलाएं नहर में स्नान करने पहुंची थीं। इसी दौरान महिलाओं ने एक बच्चे को पानी की धार में बहते देखा और शेर मचाना शुरू किया। जिसके बाद उत्तर बच्चे को स्थानीय लोगों द्वारा नहर से निकाला गया। शब्द देखने से लग रहा था कि अपी हाल में ही बच्चा डूबा है मृत बच्चे की शब्द की पहचान अभी हाल सका है। लोग एस अंदर जाना चाहते हैं कि उन्हें जल नहीं देना चाहिए। इसके बाद उत्तर बच्चे की धार में बहते देखा और शेर मचाना शुरू किया। जिसके बाद उत्तर बच्चे की धार में ही बच्चा डूबा है।

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के रक्षाल थाना क्षेत्र में गम्भीरया नहर में झूने से एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बताया गया कि मंगलवार को जिलिया पर्व के लेकर कुछ महिलाएं नहर में स्नान करने पहुंची थीं। इसी दौरान महिलाओं ने एक बच्चे को पानी की धार में बहते देखा और शेर मचाना शुरू किया। जिसके बाद उत्तर बच्चे को स्थानीय लोगों द्वारा नहर से निकाला गया। शब्द देखने से लग रहा था कि अपी हाल में ही बच्चा डूबा है। मृत बच्चे की धार में बहते देखा और शेर मचाना शुरू किया। जिसके बाद उत्तर बच्चे की धार में ही बच्चा डूबा है।

## आंगनबाड़ी केंद्रों का पदाधिकारियों ने किया औचक निरीक्षण



बीएनएम। मोतिहारी

समाज कल्याण विभाग द्वारा सम्बन्धित बाल विकास सेवा योजना अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी के कार्यों के परिवेश एवं अनुसरण को लेकर जिलाधिकारी सीएचसी जोरवाल के द्वारा जिला के 63 पंचायत के 126 आंगनबाड़ी केंद्रों का पदाधिकारियों के द्वारा औचक निरीक्षण कराया गया। जिला के 63 पंचायत में प्रत्येक पंचायत में दो-दो निरीक्षकों के द्वारा निरीक्षण के उपरांत आज ही संध्या 5:00 बजे तक जिला गोपनीय प्रशासन को समाज कल्याण विभाग की अधिकारी ने देना सुनिश्चित कराया। निरीक्षण के परिवेश के लिए अपर समाहर्ता और अपर समाहर्ता केंद्रों के लिए अपर समाहर्ता की भौतिक स्थिति, केंद्रों पर संसाधनों की उपलब्धता, टीचर्स आर के वितरण की स्थिति, बच्चों में टीकाकरण, केंद्र पर सभी आवश्यक पंजी संभालित है अबका नहीं, पिछला भ्रमण निकले द्वारा बताया गया है, वज्ञा महिला परिवेशिका केंद्र का भ्रमण की हैं से संबंधित प्रतिवेदन की मांग की गई है। अंगनबाड़ी केंद्र की भौतिक स्थिति में केंद्र खुला है अथवा नहीं, सेविका-सहायिका पोशाक में उपस्थित है, केंद्र के भवन का प्रकार, भवन की स्थिति, शौचालय

एवं



## सड़क यात्रा जोखिम भरी, रोज 432 मौतें

भारत में औसतन हर घंटे 53 सड़क हादसे होते हैं और उनमें 18 लोगों की जान जाती है- यानी रोज 432 मौतें। कुल जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें 45 प्रतिशत में दो पहिया वाहन शामिल रहते हैं। भारत में सड़क यात्रा जोखिम भरी है, यह कोई रहस्य नहीं है। हर साल आने वाले अंकड़े इस बारे में चिंता बढ़ाते हैं, लेकिन उन अंकड़ों की चर्चा थमते ही सब कुछ जैसे को तैसा चलता रहता है। इसलिए परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के इस बारे में चिंता जताने से भी सूरत बदलेगी, इसकी आशा शायद ही किसी को होगी। भारत की छवि आज यह है कि यहां अँटो उद्योग का तेजी से विकास हुआ है, लेकिन साथ ही भारत उन देशों में बना हुआ है, जहां सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें होती है। गडकरी भारतीय अँटोमोबिल निर्माता संघ के वार्षिक सम्मेलन में गए, तो वहां उन्होंने कंपनियों के कर्ता-धर्थाओं को अपनी चिंता बताई। जिक्र किया कि भारत में औसतन हर घंटे 53 सड़क हादसे होते हैं और 18 लोगों की जान जाती है- यानी रोज 432 मौतें। गडकरी ने बताया कि कुल जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें 45 प्रतिशत में दो पहिया वाहन शामिल रहते हैं। उनके अलावा पैदल चलने वाले लोग लगभग 20 प्रतिशत दुर्घटनाओं के शिकार बनते हैं। यानी मौतों के मामले में देखें, तो निम्न मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोग इनकी चपेट में ज्यादा आते हैं। उन मौतों के बाद पीड़ित परिवारों पर क्या गुरजारी है, यह एक अलग दुखद दास्ता है। लेकिन समाधान क्या है? गडकरी ने कंपनी अधिकारियों से कहा कि उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग सिखाने वाले स्कूल अधिक से अधिक संख्या में खोलने चाहिए। जाहिर है, यह एक सदिच्छा ही है वैसे हादसों का एक बड़ा कारण सड़कों का असुरक्षित निर्माण भी है। स्पष्ट है: इसकी जवाबदेही सरकार पर आती है। गडकरी ने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार पहल कर रही है। लेकिन वो पहल कम जमीन पर उतरेगी और कब उसके सकारात्मक लाभ दिखेंगे, इस बारे में परिवहन मंत्री चुप ही रहे। यही समस्या है। गंभीर मसलों के लिए दूसरों की जिम्मेदारी का जिक्र हमारी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। जब बात अपने दायित्व पर आती है, अक्सर अधिकारी सामान्य बातें कह कर निकल जाते हैं। जब तक इससे उबरा नहीं जाता, भारत की सड़कें इसी तरह जानलेवा बनी रहेंगी।

## बयानबाजी से सदस्यता अभियान पर असर

## एक तरफ जहाँ से

**दीनदयाल उपाध्याय : अपने चरित्र से गढ़ गए समाज और राजनीतिक जीवन के आदर्श प्रतिमान**

ડાં. મયંક ચતુર્વેદી

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म भी कस्टों के बीच हुआ और जब मृत्यु भी आई तो ऐसी आई कि उनसे जुड़े लोगों को यह भरोसा ही नहीं हो रहा था कि अब पंडितजी हमारे बीच नहीं रहे। दीनदयालजी का जीवन इस बात के लिए बड़ा उदाहरण है कि कोई व्यक्ति चाहे तो अपने छोटे से जीवन में क्या कुछ नहीं कर सकता, अर्थात् व्यक्ति ठान ले तो वह बहुत कुछ कर सकता है। वह दुनिया को एक ऐसा विचार भी दे सकता है जो न केवल भविष्य में एक क्रान्ति कर दे बल्कि आने वाली शातविंशीय भी उसकी ऋणी हो जाए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संबंध में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी तत्कालीन समय में यही कहते थे कि “यदि मुझे दो यातीन और दीनदयाल मिल जाएं तो मैं भारत का राजनीतिक नवश बदल दूँगा।” पंडित दीनदयाल उपाध्याय का व्यक्तित्व कितना विशाल और जीवन कितना महान था, इसे उन तमाम श्रेष्ठ राजनेताओं की वाणी से समझा जा सकता है जो उन्हें नजदीक से जानते थे। डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी की तरह ही भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने उनके बारे में कुछ इस प्रकार कहा था कि “एक दीपक बुझ गया है, चारों ओर अंधकार है।” पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद, विषमता को इससे बहुत आगे के स्तर पर जाकर हमें समझाता है। भारत को एक स्टेट या कंट्री से बढ़कर एक राष्ट्र के रूप में और इसके निवासियों को नाशिक नहीं अपितु परिवार सदस्य के रूप में मानने के विस्तृत दृष्टिकोण का ही अर्थ है एकात्म मानववाद। मानवीयता के उत्कर्ष की स्थापना यहि किसी राजनीतिक सिद्धांत में हो पाई है तो वह है पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय का एकात्म मानववाद का सिद्धांत। एकात्म मानववाद को दीनदयालजी सैद्धांतिक स्वरूप में नहीं बल्कि अस्था के स्वरूप में लेते थे, यह कोई राजनीतिक सिद्धांत नहीं अपितु एक आत्मिक भाव है। अपने एकात्म मानववाद के अर्थों को विस्तारित करते हुए ही उन्होंने कहा था कि — “हमारी आत्मा ने अंग्रेजी राज्य के प्रति विद्रोह केवल इसलिए नहीं किया कि दिल्ली में बैठकर राज करने वाले विदेशी थे, अपितु इसलिए भी कि हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन में, हमारे जीवन की गति में विदेशी पद्धतियां और रीत-रिवाज, विदेशी दृष्टिकोण और आदर्श अड़ंगा लगा रहे थे, हमारे संपूर्ण वातावरण को दूषित कर रहे थे, हमारे लिए सांस लेना भी दूभर हो गया था।” आज यदि दिल्ली का शासनकर्ता अंग्रेज के स्थान पर हमें से ही एक, हमारे ही रक्त और डीएनए वाला हो गया है तो हमको इसका हर्ष है, संतोष है, किन्तु हम चाहते हैं कि उसकी भावनाएं और कामनाएं भी हमारी ही भावनाएं और कामनाएं हों। जिस राष्ट्र की मिट्टी से उसका शरीर बना है, उसके प्रत्येक रजकण का इतिहास उस राष्ट्र के प्रमुखों के प्रत्येक शब्द से प्रतिध्वनि होना चाहिए। ३० के पश्चात ब्रह्माण्ड के सर्वाधिक सूक्ष्म बोधवाक्य

मानव दर्शन- एक दिव्य																																																		
“जियो और जीने दो” को “जीने दो और जियो” के क्रम में रखने के देवत्व धारी आचरण का आग्रह लिए वे भारतीय राजनीति विज्ञान के उत्कर्ष का एक नया क्रम स्थापित कर गए। व्यक्ति की आत्मा को सर्वोपरि स्थान पर रखने वाले उनके सिद्धांत में आत्मबोध करने वाले व्यक्ति को समाज का शीर्ष माना गया। आत्मबोध के भाव से उत्कर्ष करता हुआ व्यक्ति, सर्वे भवन्तु सुखिनः के भाव से जब अपनी रचनार्थीता और उत्पादन क्षमता का पूर्ण उपयोग करे, तब एकात्म मानववाद का उदय होता है, ऐसा वे मानते थे। देश और नागरिकता या नेशन और नेशनलिटी जैसे शब्दों के सन्दर्भ में यहाँ यह तथ्य पुनः मुखरित होता है कि उपरोक्त वर्णित व्यक्ति देश का नागरिक नहीं बल्कि गण्डिपत्र होता है। पाश्चात्य के भौतिकता वादी विचार जब अपने चरम की ओर बढ़ने की दिशा में था तब पंडित जी ने इस प्रकार के विचार को सामने रखकर बस्तुतः परिचम से वैचारिक युद्ध का शंखनाद किया था। उस दौर में द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वैशिक स्तर पर विचारों और अभियंजनाओं की स्थापना, मंडन-खंडन और भजन की परस्पर होड़ चल रही थी। विश्व मार्क्सवाद, फासीवाद, अति उत्पादकता का दौर देख चुका था और मंदी के ग्रहण को भी भाँग चुका था। वैशिक सिद्धांतों और विचारों में अभिजात्य और नव अभिजात्य की सीमा रेखा आकार ले चुकी थी तब समृद्ध विश्व में भारत की ओर से किसी राजनीतिक सिद्धांत के जन्म की बात को भी किंचित असंभव और इससे भी बढ़कर हास्यास्पद ही माना जाता था। अंग्रेज शासन काल और अंग्रेजोत्तर काल में भी हम वैशिक मंचों पर हेय दृष्टि से और विचारहीन दृष्टि से देखे और माने जाते थे। निश्चित तौर पर हमारा स्वातंत्र्योत्तर शासक वर्ग या राजनीतिक नेतृत्व जिस प्रकार पाश्चात्य शैलियों, पद्धतियों, नीतियों में जिस प्रकार डूबा-फंसा-मोहित रहा उससे यह हास्य और हेय भाव बड़ा आकार																																																		
लेता चला गया था। तब उस दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म वाद के सिद्धांत की गौरवपूर्ण रचना द्वारा प्राप्ति की थी। 1940 और 1945 के दशकों में विश्व में मार्क्सवाद से प्रभावित अर्थात् उत्तरी अंगों को आप किसी भी ऊँचा क्यों न उठाइए, वह तो आसाध ढूँबेगा ही।....जब किसी मानव के किसी अंग को लकवा मार जाता है तो वह चेतना शून्य हो जाता है। भांति हमारे समाज को लकवा मार है, उसको कोई कितना भी कष्ट न दे पर महसूस ही नहीं होता। हम तभी महसूस करता है जब चोट उत्तरी पर आकर पड़ती है। हमारे प्रति का करण हममें संगठन की कर्मसु है। बाकी बुराईयां अशिक्षा आदि परित अवस्था के लक्षण मात्र ही नहीं होता। इसलिए संगठन करना ही संघ का काम है। इसके अतिरिक्त और यह कुछ नहीं करना चाहता है। मेरा ख्याल कि एक बार संघ के रूप को देखें तथा उसकी उपरोक्तिगत समझने के आपको हर्षी ही होगा कि आपके एक ने भी इसी कार्य को अपना जीवन बनाया है। परमात्मा ने हम लोगों सब प्रकार समर्थ बनाया है, क्या हम अपने में से एक को भी देश के नहीं दे सकते हैं? आपने मुझे शिरीका देकर सब प्रकार से योग्य बनवाया अब मुझे समाज के लिए नह कर सकते हैं? जिस समाज के हम उत्तरी																																																		
( भागावत साहू )																																																		
ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवत्व 10. काव्यबली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलाभ्र 17. सामान ( ड. ) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।																																																		
मर्यादा क्रमांक 187 का हल																																																		
<table border="1"> <thead> <tr> <th>न</th><th>आ</th><th>सा</th><th>न</th><th>आ</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>पी</td><td>निख</td><td>सी</td><td>ख</td><td>ना</td></tr> <tr> <td>बू</td><td>र</td><td>ह</td><td></td><td>जा</td></tr> <tr> <td></td><td>का</td><td>त</td><td>रा</td><td>ना</td></tr> <tr> <td></td><td>र</td><td>वि</td><td>ह</td><td></td></tr> <tr> <td>ना</td><td></td><td>ना</td><td>रा</td><td>ज</td></tr> <tr> <td>क</td><td>शि</td><td>श</td><td></td><td>ला</td></tr> <tr> <td></td><td>का</td><td></td><td>रा</td><td>य</td></tr> <tr> <td>दा</td><td>री</td><td>त</td><td>क्ष</td><td>क</td></tr> </tbody> </table>						न	आ	सा	न	आ	पी	निख	सी	ख	ना	बू	र	ह		जा		का	त	रा	ना		र	वि	ह		ना		ना	रा	ज	क	शि	श		ला		का		रा	य	दा	री	त	क्ष	क
न	आ	सा	न	आ																																														
पी	निख	सी	ख	ना																																														
बू	र	ह		जा																																														
	का	त	रा	ना																																														
	र	वि	ह																																															
ना		ना	रा	ज																																														
क	शि	श		ला																																														
	का		रा	य																																														
दा	री	त	क्ष	क																																														

ऋणी हैं। यह तो एक प्रकार से त्याग नहीं है, विनियोग है। समाजरूपी भूमि खाद देना है। आप यकीन रखिए कि कोई ऐसा कार्य नहीं करुंगा, जिससे कभी आपकी ओर अंगुली उठाकर देखी भी सके। उलटा आपको गर्व होगा जो आपने देश और समाज के लिए अपने एक पुत्र को दे दिया है। बिना किसी दबाव के केवल कर्तव्य के ख्याल आपने मेरा लालन-पालन किया, अब क्या अंत में भावना कर्तव्य को ध्यान दबाएगी। भावना से कर्तव्य सदैव ऊँचा रहता है। आपके पासके पास एक स्थान पर तीन-तीन पुत्र हैं, क्या उन्हें आप एक को समाज के लिए नहीं सकते हैं? मैं जानता हूँ कि आप नहीं नहीं कहेंगे। इस परम पवित्र कार्य के लिए आपकी हां, मेरे लिए सदैव रहेंगे पंडित दीनदयाल से जुड़ा यह एक पत्र नहीं, ऐसे अनेक पत्र हैं जो उन्होंने समय-समय पर अपने परिवारजनों और मित्रों को लिखे हैं। इन सभी पत्रों वाला सार सिफेर एक ही है। भारत, भारत और भारत का परम वैभव और अपना समाज का कल्याण। दीनदया

## य सिद्धांत

र में नवनव और ० के वित्तिक द्वांत सिस्ति विहित को विवान का विवान है। वुका आपक डित मर्म कभी रिरता न में नीति देना समाज यही की कता का देना अन्योग की विवरम प्रियम कि वाव" ते में देना अन्यथा अर्थनीति अर्थरूप थापि कर सभी धन से

उत्पन्न होनेवाली समस्याओं से करती जूँझ रही थी। तब उन्होंने भर्त्ता दर्शन आधारित व्यवस्थाओं के पर धन के अर्जन और उसके नियमों की व्यवस्थाओं का परिचय शेष के सम्मुख रखा। उस दौर में पूर्व और दुग्राही राजनीति के कारण इस आर्थिक स्वातंत्र्य की अवधि को देखा पढ़ा नहीं गया किन्तु (होकर ही सही) आर्थिक विकेव के सिद्धांत को भारतीय अर्थतंत्र में यदि पढ़ने-सुने और व्यवहार में लाया गया तो व्यापार और व्यापारियों के लिए होते रहे। यह अलग विवर कि इन प्रयासों में पंडितजी के नाम पहजे करने का पूर्वांग यथावत रहा। नागरिकता से परे होकर "राष्ट्र परिवार" के भाव को आत्मासात और तब परमात्मा की ओर आदेखना यह उनकी एकात्मता का शब्द है। इस रूप में हम राष्ट्र का निर्माण नहीं करें अपितु उसे परम वैभव करें ले जाएं यह भाव उनके सिद्धांत के शब्द "एकात्मा" में प्राण स्थापित है। हम इस चराचर पृथ्वी पर आरहे हैं, इसका शोषण नहीं बल्कि पुरुष से उपयोग करें। इससे प्राप्त संसार को मानवीय आधार पर वितरण व्यवस्थाओं को समर्पित करते चले अन्योदय का प्रारम्भ है। अन्योदय चरम वह है जिसमें व्यक्ति व्यापक परस्पर जुड़ा हो, निर्भर भी हो तो निर्भरता का भाव न तो कभी होय से देखा जाए, और न ही कभी देखा से। इस प्रकार के अन्योदय का भी दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव के सह उत्पाद के रूप में जन्मा जित्ता उत्पाद के स्थान पर पुण्य प्रसाद अधिक उपयुक्त होगा। पंडित दीन उपाध्याय संस्कृति के समग्र रूप में मानव और राज्य में स्थापित चाहते थे। उन्होंने भारतीय संस्कृत समग्रता और सार्वभौमिकता के को पहचान कर आध्युनिक सन्दर्भ इसके नूतन रूपकों, प्रतीकों, शिल्पों कल्पना की थी।

दोकू क्र. 188

2		
1		3
9		8
3	7	5
		1
1		8
	9	
7		3
5		6

सू-दोकू क्र. 187 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5
6	4	1	8	5	9	2	7
9	3	5	4	7	2	1	6
2	6	3	1	9	7	6	8
5	7	8	3	6	4	1	9
1	9	4	5	2	8	7	3
4	5	7	2	8	3	9	6
3	1	6	9	4	5	8	2
8	2	9	7	1	6	3	4

दाक-सागर सूरज\* फोन न. 94700 (के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BII

<p>उपाध्याय के जीवन में एक संघ प्रचारक के अलावा जीवंत पत्रकार रूप भी हमें देखने को मिलता है। वास्तव में एक राजनेता और एक पत्रकार के रूप में उनकी दृष्टि स्पष्ट थी कि यदि देश में आमूलूचूल परिवर्तन करना है तो पहले शिक्षा का भारतीयकरण होना चाहिए। पत्रकारिता में भी बदलाव के लिए वे शिक्षा पद्धति में बदलाव पर बल देते थे, उनका विश्वास था कि किसी भी देश की संस्कृति को समझने के लिए वहां की शिक्षा व्यवस्था का स्वरूप उस संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। देखा जाय तो यही वह कारण है कि उनके लेखन में हिन्दुत्व एवं भारतीय और सभ्यता की स्पष्ट झलक मिलती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद में जो सबसे बड़ा कार्य करते दिखाई देते हैं, वह है आधुनिक एवं पुरातन की आपस में तुलना। वह कहते हैं कि देश की दिशा में विचार करने वाले दो प्रकार के लोग दिखाई देते हैं, एक वह लोग हैं जो भारत की हजारों वर्षों से चली आनेवाली प्रगति की दिशा जोकि पराधीन होने में जहां वह रुक गया वहां से उसे आगे बढ़ाना चाहते हैं तो दूसरे वे लोग हैं जो भारत में उस पुरानी संस्कृति को ना मानते हुए परिचम में जो आधुनिक आंदोलन हुए और जो परिवर्तन आया, उसके हिसाब से भारत को आगे बढ़ाने में विश्वास करते हैं। पंडितजी कहते हैं कि यह दोनों ही विचार अपने आप में पूर्ण सत्य नहीं किंतु कुछ सत्य अवश्य है। इसलिए इसका जो सत्य है उसको धारण करके आगे हमको चलने की नीति बनानी चाहिए।</p>	<p>मेष राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने विचारों के साथ-साथ दूसरे लोगों के विचारों पर भी गौर देने की जरूरत है। आय के साथन बढ़ाते के साथ-साथ खचों की भी अधिकता बनी रहेगी। बाहरी व्यक्तियों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ना होने दें। आज जीवनसाथी और परिवारजनों के साथ कुछ समय मनोरंजन और परिवारजनों के साथ भी बिताएं।</p> <p>वृष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आगे आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। विचारों में स्थिरता और दृढ़ता रहने से आप अपने कार्यों को अच्छी तरह कर पाएंगे। शुभविंतकों का भी भरपूर साथ मिलेगा। सामाजिक रूप से मान-प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आज दूसरों पर विश्वास न करें, इसका असर आपके कार्यक्षेत्र में पड़ सकत है।</p> <p>मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से नये जॉब के लिए कॉल आ सकती है। साथ ही किसी नये कोर्स को ज्वॉइन करने के लिए आज का दिन शुभ है। आज जल्दबाजी की बजाए शांति और धैर्य पूर्ण तरीके से कामों को अंजाम देना आपके काम को ज्यादा सुगम बनाएगा। नजदीकी लोगों से मुलाकात फायदेमंद साक्षित होगी।</p> <p>कर्क राशि : आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। अगर आज नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आज अपनी व्यावसायिक कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव लाने की कोशिश करें, साथ ही अपने जनसंपर्क को भी भरपूर करने में कुछ समय बिताएं।</p> <p>सिंह राशि : आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं तो आपके लिए अच्छी साक्षित हो सकती हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा। जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा काम करने का समय मिल सके। कोई सोचा हुआ कार्य समय पर पूरा होने से आप अपने अंदर ऊर्जा और आत्मविश्वास महसूस करेंगे। संतान की भी किसी उपलब्धि से सुकून व खुशी महसूस होगी।</p> <p>कन्या राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा। असमंजस की स्थिति में परिवार वालों की सलाह लेना अच्छा रहेगा। इस समय मार्केटिंग संबंधी कार्यों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। दांपत्य जीवन सुखद और मधुरता पूर्ण रहेगा।</p> <p>तुला राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। किसी काम को करने में आज आपके सामने कई बड़ी चुनौतियां आएंगी। जिसे आप धैर्य के साथ सॉल्व कर लेंगे। आज सोसाइटी में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है। अपने किसी भी व्यवसायिक समस्या को अनुभवी और प्रतिष्ठित लोगों से शेरय करना उचित रहेगा और समस्या का समाधान भी मिलेगा।</p> <p>वृश्चिक राशि : आज पूरान विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाएगा। साथ ही आज घर पर अपना मनपसंद खाना खा सकते हैं। अध्यात्म और धर्म कर्म के कार्यों में भी रुचि बढ़ी। और जीवन से जुड़ी किसी उलझन का भी समाधान मिलेगा। अपने व्यक्तिगत कार्यों के बीच यह ध्यान रखना जरूरी है कि घर के बड़े बुजुर्गों की सेवा से न चुकें।</p> <p>धनु राशि : आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के बिजनेसमैन आज किसी जररी काम से विदेश की यात्रा कर सकते हैं। यात्रा लाभदायक होगी। कारोबारी मामलों में बहुत सावधानी रखने की जरूरत है। अभी कार्यों की गति मध्यम ही रहेगी। धैर्य और संयम से मुश्किल समय निकल जाएगा।</p> <p>मकर राशि : आज आपका दिन राहत से भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति में आज सुधार आएगा। समय का उचित सुदृप्योग करें। सामाजिक और सोसाइटी संबंधी गतिविधियों में आपके विचारों को विशेष प्राथमिकता मिलेगी। युवाओं को कोई मन मुताबिक कार्य बनाने से सुकून मिलेगा। आज आपको अपने जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार बदलने की जरूरत पड़ सकती है।</p> <p>कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन लेना आपके लिए सहायक रहेगा। किसी विदेशी कम्पनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। घर का माहौल सुखद और शांतिपूर्ण बना रहेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी और मध्यरात्रि भी ताजा होंगी। कानूनी मामले में आपको थोड़ी राहत मिल सकती है।</p> <p>मीन राशि : आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है। किसी पुराने उधार दिया हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। आज स्वास्थ्य आपका पहले से बेहतर रहेगा। दिन की शुरुआत कुछ व्यस्ता वाली रह सकती है लेकिन अंत में परिणाम बेहतर ही हासिल होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी।</p>
--	---

# एकात्म मानव दर्शन- एक दिव्य सिद्धांत

## પ્રવોણ ગુગનાને

महान दार्शनिक लेटो के शिष्य व अचारण का आग्रह लिए वे भारतीय राजनीति विज्ञान के उत्कर्ष का एक नया क्रम स्थापित कर गए। व्यक्ति की आत्मा को सर्वोपरि स्थान पर रखने वाले उनके सिद्धांत में आत्मबोध करने वाले व्यक्ति को समाज का शीर्ष माना गया। आत्मबोध के भाव से उत्कर्ष करता हुआ व्यक्ति, सर्वे भवन्तु सुखिनः के भाव से जब अपनी रचनाधर्मिता और उत्पादन क्षमता का पूर्ण उपयोग करे, तब एकात्म मानववाद का उदय होता है, ऐसा वे मानते थे। देश और नागरिकता या नेशन और नेशनलिटी जैसे शब्दों के सन्दर्भ में यहाँ यह तथ्य पुनः मुखरित होता है कि उपरोक्त वर्णित व्यक्ति देश का नागरिक नहीं बल्कि राष्ट्रपुत्र होता है। पाश्चात्य के भौतिकता वादी विचार जब अपनें चरम की ओर बढ़ने की दिशा में था तब पंडित जी ने इस प्रकार के विचार को सामने रखकर वस्तुतः पश्चिम से वैश्विक युद्ध का शंखनाद किया था। उस दौर में द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर विचारों और अभिव्यञ्जनाओं की स्थापना, मंडन-खंडन और भंजन की परस्पर होड़ चल रही थी। विश्व मार्क्सवाद, फासीवाद, अति उत्पादकता का दौर देख चुका था और मंदी के ग्रहण को भी भाग चुका था। वैश्विक सिद्धांतों और विचारों में अभिजात्य और नव अभिजात्य की सीमा रेखा आकर ले चुकी थी तब सम्पूर्ण वातावरण को दूषित कर रहे थे, हमारे संपूर्ण वातावरण पर हमें से ही एक, हमारे ही रक्त और डी-एन-ए वाला हो गया है तो हमको इसका हर्ष है, संतोष है, किन्तु हम चाहते हैं कि उसकी भावनाएं और कामनाएं भी हमारी ही भावनाएं और कामनाएं हों। जिस राष्ट्र की मिट्टी से उसका शरीर बना है, उसके प्रत्येक रजकण का इतिहास उस राष्ट्र के प्रमुख के प्रत्येक शब्द से प्रतिव्यन्ति होना चाहिए। ३० के पश्चात ब्राह्मण के सर्वाधिक सक्षम बोधवाद्य दर्शन आधारित व्यवस्थाओं के आधार पर धन के अर्जन और उसके वितरण की व्यवस्थाओं का परिचय शेष विश्व के सम्मुख रखा। उस दौर में पूर्वाग्रही और दुराग्रही राजनीति के कारण उनकी इस अधिक स्वातंत्र्य की अवधारणा को देखा पढ़ा नहीं गया किन्तु (विश्व होकर ही सही) अधिक विवेक के उनके सिद्धांत को भारतीय अर्थतंत्र में यदा कदा पढ़ने-सुनने और व्यवहार में लाने के प्रयास भी होते रहे। यह अलग बात है कि इन प्रयासों में पंडितजी के नाम से परहेज करने का पूर्वाग्रह यथावत चलता रहा। नागरिकता से परे होकर “राष्ट्र एक परिवार” के भाव को आत्मासात करना और तब परमात्मा की ओर आशा से देखना यह उनकी एकात्मता का शब्दार्थ है। इस रूप में हम राष्ट्र का निर्माण ही नहीं करें अपितु उसे परम वैभव की ओर ले जाएँ यह भाव उनके सिद्धांत के एक शब्द “एकात्मता” में प्राण स्थापित करता है। हम इस चराचर पृथ्वी पर आधारित हैं, इसका शोषण नहीं बल्कि पुत्रभाव से उपयोग करें। इससे प्राप्त संसाधनों को मानवीय आधार पर वितरण की व्यवस्थाओं को समर्पित करते चलें यह अन्त्योदय का प्रारम्भ है। अन्त्योदय का चरम वह है जिसमें व्यक्ति व्यक्ति से परस्पर जुड़ा हो, निर्भर भी हो तो उसमें निर्भत का भाव न तो कभी हेय दृष्टि से देखा जाए, और न ही कभी देव दृष्टि से। इस प्रकार के अन्त्योदय का भाव प. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के माध्यम से वे विश्व की राजनीति में वैदिकता के तत्व का प्रवेश करा देना चाहते थे। यद्यपि उनके असमय निधन से हमारे देश की व विश्व की राजनीति उस समय उनके इस प्रयोग के कार्यरूप को देखें और माने जाते थे। निरिचत तौर पर हमारा स्वातंत्र्योत्तर शासक वर्ग या राजनीतिक नेतृत्व जिस प्रकार पाश्चात्य शैलियों, पद्धतियों, नीतियों में जिस प्रकार बूढ़ा-फंसा-मोहित रहा उससे यह हास्य और हेय भाव बढ़ा आकर दर्शन आधारित व्यवस्थाओं के आधार पर धन के साथ-साथ दूसरे लोगों के विचारों पर भी गौर देने की जरूरत है। आय के साधन बढ़ने के साथ-साथ खर्चों की भी अधिकता बनी रहेगी। बाहरी व्यक्तियों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ना होने दें। आज जीवनसाथी और परिवारजनों के साथ कुछ समय मनोरंजन और परिवारजनों के साथ भी बिताएं।

**वृष राशि:** आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने विचारों के साथ-साथ दूसरे लोगों के विचारों पर भी गौर देने की जरूरत है। आय के साधन बढ़ने के साथ-साथ खर्चों की भी अधिकता बनी रहेगी। बाहरी व्यक्तियों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ना होने दें। आज जीवनसाथी और परिवारजनों के साथ कुछ समय मनोरंजन और परिवारजनों के साथ भी बिताएं।

**वृष राशि:** आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें। विचारों में स्थिरता और दृढ़ता रहने से आप अपने कार्यों को अच्छी तरह कर पाएंगे। शुभचिंतकों का भी भरपूर साथ मिलेगा। सामाजिक रूप से मान-प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आज दूसरों पर विश्वास न करें, इसका असर आपके कार्यक्षेत्र में पड़ सकता है।

**मिथून राशि:** आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से नये जॉब के लिए कॉल आ सकती है। साथ ही किसी नये कोर्स को ज्याँहन करने के लिए आज का दिन शुभ है। आज जलदबाजी की बजाए शांति और धैर्य पूर्ण तरीके से कामों को अंजाम देना आपके काम को ज्यादा सुगम बनाएगा। नजदीकी लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित होगी।

**कर्क राशि:** आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। अगर आज नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी अधिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आज अपनी व्यावसायिक कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव लाने की कोशिश करें, साथ ही अपने जनसंपर्क को भी मजबूत करने में कुछ समय बिताएं।

**सिंह राशि:** आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं तो आपके लिए अच्छी साबित हो सकती हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा। जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा काम करने का समय मिल सके। कोई सोचा जुड़ा हो आ कार्य समय पर पूरा होने से आप अपने अंदर ऊर्जा और अत्मविश्वास महसूस करें। संतान की भी किसी उपलब्धि से सुकून व खुशी महसूस होंगी।

**कन्या राशि:** आज आपका दिन खास रहेगा। आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा। असमंजस की स्थिति में परिवार वालों की सलाह लेना अच्छा रहेगा। इस समय मार्केटिंग संबंधी कार्यों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। दांपत्य जीवन सुखद और मधुरता पूर्ण रहेगा।

**तुला राशि:** आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। किसी काम को करने में आज आपके सामने कई बड़ी चुनौतियां आएंगी। जिसे आप धैर्य के साथ सॉल्व कर लेंगे। आज सोसाइटी में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है। अपने किसी भी व्यवसायिक समस्या को अनुभवी और प्रतिष्ठित लोगों से शेयर करना उचित रहेगा और समस्या को समाधान भी मिलेगा।

शब्द सामर्थ्य -188

**बाएं से दाएं**

- जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4.
- मवाद, पीव (अं) 6. जाति 7.
- हाथ से धीरे-धीरे ढोकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (अं.) 11. किरण 12.
- छोक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहानी, वक्तव्य 18. साप, उत्तर सापवान 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, वतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पश्ची, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि ।

**ऊपर से नीचे**

- विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. बचन, बाणी 4. गुपराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मूलायम चिंह यही संकेत का अंतिम रूप 8.

ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्थि 10  
 काव्यबली, करस्तानी, प्रशंसनीक  
 कार्य 13. दासी, नीकरानी, बांदी  
 गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला  
 प्रेरित करने वाला, आविष्कारक  
 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर  
 17. सामान (उ.) 21. संसार  
 दुनिया 22. समय, चमेली की  
 जाति का एक पौधा और फूल 23  
 प्रसिद्धि, प्रसाद

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 187 का हल							
दि	ख	त		आ	सा	न	
ल		मी		खि		सी	ख
	म	ज	बू	र		ह	
स	द्व			का		त	रा
र				र	वि		ह
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज
ट			क	शि	श		नी
	र			का		रा	

9			2				1
	5	1				3	
7			9		8		5
8		3		7		5	
2	7				1		3
4			1			8	
6	2			9			
5		7			3		
	8		5			6	7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज\* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (\*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070





